DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

9 May, 2024

विवाहों का पंजीकरण

संदर्भ: *उच्चतम न्यायलय ने हाल ही में उस मामले में एक निर्णय दिया है जिसमें, आधिकारिक विवाह प्रमाण पत्र रखने के बावजूद, अदालत के समक्ष एक हिंदू जोड़े ने कभी भी पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त नहीं किया था।*

➢ **विधिवत विवाह:**

- विवाह को संपन्न करने हेतु हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 (HMA) और विशेष विवाह अधिनियम, 1954 (SMA) जैसे व्यक्तिगत कानूनों द्वारा शासित उचित अनुष्ठानों के साथ एक आधिकारिक समारोह आयोजित करना शामिल है।
- विभिन्न धर्मों की अलग-अलग आवश्यकताएं हैं; उदाहरण के लिए, हिंदू विवाह में कन्यादान और सप्तपदी जैसे अनुष्ठान शामिल हैं।

➢ **पंजीकृत विवाह:**

- पंजीकृत विवाह का तात्पर्य SMA जैसे कानूनों के तहत आयोजित नागरिक या गैर-धार्मिक विवाह से है।
- ये शादियां रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिना धार्मिक अनुष्ठानों के संपन्न की जाती हैं, और HMA की धारा 8 धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित विवाहों के पंजीकरण की अनुमति देती है।

➢ **मुस्लिम विवाह:**

- मुस्लिम विवाह इस्लामी कानून द्वारा शासित होते हैं, जो विवाह को एक संविदात्मक दायित्व मानता है।
- इस प्रक्रिया में दोनों पक्षों से सहमति प्राप्त करना, लिखित सहमति और गवाहों की उपस्थिति शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर काजी द्वारा निकाहनामा जारी किया जाता है।

➢ **संवैधानिक प्रावधान:**

- सातवीं अनुसूची में शामिल समवर्ती सूची सहित संवैधानिक प्रावधान, विवाह और तलाक के साथ-साथ पंजीकरण जैसे महत्वपूर्ण ममलों से संबंधित हैं।
- यद्यपि जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण अधिनियम, 1886 केंद्रीय स्तर पर मौजूद है, राज्यों के पास विवाह पंजीकरण अनिवार्य करने के लिए अपने स्वयं के कानून हैं, कर्नाटक और दिल्ली जैसे कुछ राज्यों ने इसे अनिवार्य बना दिया है।

➢ **वैधता और साक्ष्य:**

- विवाह पंजीकरण विभिन्न आधिकारिक उद्देश्यों को पूरा करता है, यह अकेले विवाह की वैधता निर्धारित नहीं करता है।
- भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 114 के तहत, विवाह की सामान्य धारणा है, लेकिन विवाह प्रमाण पत्र निर्णायक सबूत नहीं है।

➢ **कानूनी निहितार्थ:**

- द्विविवाह और विरासत विवादों जैसे कानूनी मामलों में वैधता महत्वपूर्ण है।
- विवाह वैधता का समर्थन करने वाले साक्ष्य में वैध अनुष्ठान करना, लंबे समय तक सहवास करना और परिवार और दोस्तों द्वारा स्वीकृति शामिल है, विवाह प्रमाण पत्र पुष्टिकारक साक्ष्य प्रदान करता है लेकिन पूर्ण प्रमाण नहीं।

अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस

संदर्भ: *अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के एक कार्यक्रम में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव ने बीमारी के बोझ को कम करने के लिए समय पर पता लगाने और रोकथाम की आवश्यकता पर जोर दिया।*

➢ **थैलेसीमिया क्या है ?**

- थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है जो हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिका उत्पादन को प्रभावित करता है।
- स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं की कमी के कारण एनीमिया होता है।
- ऊतकों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी के कारण भी ये लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं।

➢ **थैलेसीमिया शरीर को कैसे प्रभावित करता है:**

- हल्के से गंभीर एनीमिया और आयरन की अधिकता जैसी जटिलताओं का कारण बनता है।
- एनीमिया के लक्षणों में थकान, सांस लेने में कठिनाई, ठंड लगना, चक्कर आना और त्वचा का पीला पड़ना शामिल हैं।

➢ **जोखिम:**

- मलेरिया प्रचलित क्षेत्रों से पैतृक संबंध वाले व्यक्तियों को प्रभावित करता है।
- वंशानुगत स्थिति माता-पिता से बच्चे में स्थानांतरित होती है।

➢ **कारण:**

- हीमोग्लोबिन प्रोटीन श्रृंखलाओं को एन्कोड करने वाले दोषपूर्ण या गायब जीन थैलेसीमिया का कारण बनते हैं।
- इसकी गंभीरता आनुवंशिक दोष की सीमा पर निर्भर करती है।

➢ **प्रकार:**

- इसके लक्षण माइनर, मध्यवर्ती और मेजर के रूप में वर्गीकृत हैं।
- **अल्फा थैलेसीमिया:** ये वंशानुगत अल्फा ग्लोबिन जीन दोष हैं।
- **बीटा थैलेसीमिया**: ये वंशानुगत बीटा ग्लोबिन जीन दोष हैं।
- **लक्षण:** स्पर्शोन्मुख से लेकर गंभीर तक, जिनमें थकान, विकास संबंधी समस्याएं और गंभीर एनीमिया लक्षण शामिल हैं।

➢ **निदान:**

- इसके लिए संपूर्ण रक्त गणना और आनुवंशिक परीक्षण सहित रक्त परीक्षण किया जाता है।
- इसका निदान अक्सर बचपन में लक्षणों की शुरुआत के साथ ही हो जाता है।

➢ **उपचार:**

- थैलेसीमिया मेजर के लिए रक्त आधान और आयरन केलेशन थेरेपी प्रोग किया जाता है।
- साथ हीअस्थि मज्जा प्रत्यारोपण भी इसके संभावित इलाज हैं।
- लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए नियमित निगरानी की आवश्यकता है।

➢ **जटिलताएँ:**

- ट्रांसफ्यूजन या बीमारी से आयरन की अधिकता हो जाती है।
- इससे गंभीर संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

➢ **रोकथाम:**

- वाहकों का आनुवंशिक परीक्षण कर इसे रोका जा सकता है।
- आनुवंशिक परामर्शदाताओं से परिवार नियोजन जैसे मार्गदर्शन लाभकारी हो सकते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **आउटलुक:**

- अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण थैलेसीमिया का संभावित इलाज प्रदान करता है।
- उचित इलाज से लंबे समय तक जीवित रहने की सम्भावना बढ़ जाती है।
- आयरन की अधिकता से हृदय रोग संबंधित मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है।
- नियमित रक्त गणना और लौह स्तर की लगातार निगरानी की आवश्यकता होती है।
- हृदय और यकृत के लिए वार्षिक परीक्षण अनिवार्य हैं।

भारत-नेपाल सीमा विवाद

संदर्भ: *नेपाल की कैबिनेट ने हाल ही में अपने 100 रुपये के नोट पर एक मानचित्र शामिल करने को मंजूरी दी है, जिसमें उत्तराखंड में भारत द्वारा प्रशासित क्षेत्रों को नेपाल के क्षेत्र के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है।*

➢ **क्षेत्रीय विवाद और पृष्ठभूमि:**

- भारत-नेपाल-चीन सीमा पर लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को घेरने वाले 372 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर विवाद चल रहा है।
- ऐतिहासिक दावों और संधियों और मानचित्रों की अलग-अलग व्याख्याओं में निहित, विशेष रूप से 1816 में सुगौली की संधि उल्लेखनीय है।

➢ **संसदीय निर्णय और कूटनीतिक प्रयास:**

- नेपाल की संसद ने चार वर्ष पहले मानचित्र को सर्वसम्मति से अपनाया था।
- भारतीय और नेपाली प्रधानमंत्रियों द्वारा सीमा मुद्दे को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने का संकल्प।
- समाधान के लिए पिछले आश्वासनों और तंत्रों से सीमित प्रगति हुई है।

➢ **हालिया घटनाक्रम और द्विपक्षीय संबंध:**

- करेंसी नोटों पर मानचित्र छापने के नेपाल कैबिनेट के निर्णय को संदेहास्पद बताया गया है।
- वर्ष 2015 की नाकाबंदी सहित द्विपक्षीय संबंधों में तनाव ने इन संबंधों को प्रभावित किया है।
- भारत और चीन दोनों के साथ सीमा अतिक्रमण को संबोधित करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

➢ **वर्तमान स्थिति एवं समाधान प्रयास:**

- करेंसी नोटों पर मानचित्र को शामिल करने को लेकर नेपाल में आम सहमति का अभाव है।
- इस सन्दर्भ में नेपाल में मिश्रित विचार हैं, कुछ लोग बातचीत पर जोर दे रहे हैं और कुछ मजबूत कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।
- इन सभी संभावित कठिनाइयों को कम करने के लिए चीन के साथ कनेक्टिविटी में सुधार की आशा है।

➢ **भारत-नेपाल संबंध और भविष्य का दृष्टिकोण:**

- क्षेत्रीय मुद्दों पर चल रहे विवादों ने हाल के वर्षों में इन संबंधों में तनाव बढ़ा दिया है।
- सबूतों के आधार पर विवादों को सुलझाने के समझौतों के बावजूद, चर्चा के लिए कोई ठोस समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकी है।
- उपर्युक्त प्रयासों के बावजूद भविष्य के विकास और निरंतर राजनयिक प्रयासों की संभावना के बारे में अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR)

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (NIN) के सहयोग से 2024 में आधुनिक खान-पान की आदतों के अनुरूप उन्नत आहार दिशानिर्देश जारी किए हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के बारे में:

- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) नई दिल्ली में स्थित एक चिकित्सा अनुसंधान निकाय है जो देश में जैव-चिकित्सा अनुसंधान के निर्माण, समन्वय और संवर्धन के लिए उत्तरदायी है।
- यह दुनिया के सबसे पुराने चिकित्सा अनुसंधान निकायों में से एक है, जिसकी स्थापना 1911 में भारत सरकार द्वारा भारतीय अनुसंधान कोष संघ (IRFA) के रूप में की गई थी।
- 1949 में, भारत को स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद, IRFA का नाम बदलकर ICMR कर दिया गया।
- इसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के माध्यम से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।
- यह अपने स्वयं के संस्थानों और केंद्रों द्वारा किए गए आंतरिक अनुसंधान और गैर-ICMR संस्थानों को दी जाने वाली अनुदान सहायता के माध्यम से किए गए बाह्य अनुसंधान के माध्यम से जैव-चिकित्सा अनुसंधान को बढ़ावा देता है।
- ICMR-NIN ने हाल ही में लोगों को आयोडीनयुक्त नमक का सेवन करने, अतिरिक्त नमक का सेवन प्रतिदिन अधिकतम 5 ग्राम तक सीमित करने और कम उम्र से ही कम नमक वाले खाद्य पदार्थों का स्वाद विकसित करने की सलाह दी है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

9 May, 2024

केंद्रीय जांच ब्यूरो

हाल ही में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रूसी सेना में लड़ाकू भूमिकाओं के लिए भारतीय नागरिकों की तस्करी से जुड़े एक मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो के बारे में:

- केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भारत की प्रमुख जांच एजेंसी है, जो गंभीर अपराधों की जांच और उनसे लड़ने के लिए जिम्मेदार है।
- इसकी स्थापना 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान खरीद में भ्रष्टाचार की जांच के लिए और 1963 में रक्षा, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और गबन से संबंधित गंभीर अपराधों की जांच के लिए की गई थी।
- यह भारत सरकार के कार्मिक, पेंशन और लोक शिकायत मंत्रालय के कार्मिक विभाग का हिस्सा है।
- यह केंद्रीय सतर्कता आयोग और लोकपाल को सहायता प्रदान करता है।
- इसे अपनी शक्तियां दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 से प्राप्त होती हैं और जांच करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों से सहमति की आवश्यकता होती है।
- यह "उद्योग, निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा" के आदर्श वाक्य के तहत संचालित होता है जो इसकी जांच में परिश्रम, निष्पक्षता और नैतिक आचरण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- इसकी दोषसिद्धि दर 65 से 70% है जो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ जांच एजेंसियों के बराबर है।

आर्टेमिस मिशन

सितंबर 2025 में, नासा ने भविष्य में चंद्र लैंडिंग की तैयारी के हिस्से के रूप में चंद्रमा के चारों ओर चार सदस्यीय आर्टेमिस दल भेजने की योजना बनाई है।

नासा के आर्टेमिस मिशन के बारे में:

- नासा का आर्टेमिस मिशन एक चंद्रमा अन्वेषण मिशन है जिसका लक्ष्य 1972 के बाद पहली बार चंद्रमा पर स्थायी मानव उपस्थिति स्थापित करना है।
- मिशन का दीर्घकालिक लक्ष्य दूसरी दुनिया में रहने और काम करने का तरीका सीखकर मंगल ग्रह पर मानव मिशन को सुविधाजनक बनाना है।
- नासा आर्टेमिस मिशन पर वाणिज्यिक और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग करेगा और चंद्रमा पर पहली महिला और पहले अश्वेत व्यक्ति को उतारने की योजना बना रहा है।
- मिशन के उद्देश्यों को सटीकता और विशेषज्ञता के साथ निष्पादित करने के लिए चार सदस्यीय टीम का सावधानीपूर्वक चयन और प्रशिक्षण किया गया है।
- मिशन का प्राथमिक लक्ष्य भविष्य के चंद्र अन्वेषण प्रयासों के लिए आधार तैयार करते हुए, सिस्लूनर अंतरिक्ष की जटिलताओं को समझना है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व रवीन्द्रनाथ टैगोर

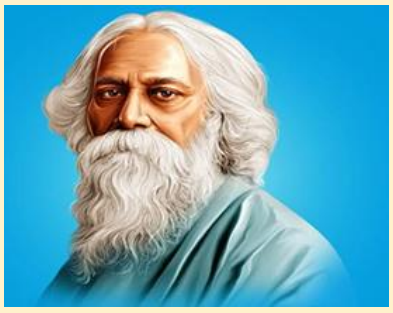

हाल ही में बांग्लादेश में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती मनाई गई।

रवीन्द्रनाथ टैगोर (मई 1861-7 अगस्त 1941)

कवि, लेखक, संगीतकार, दार्शनिक और चित्रकार रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म कोलकाता के एक प्रमुख बंगाली परिवार में हुआ था।

योगदान:

- टैगोर ने पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन में विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की,
- उनके सबसे मशहूर काम, "गीतांजलि: सॉन्ग ऑफरिंग्स" ने उन्हें नोबेल पुरस्कार दिलाया।
- उन्होंने भारत के राष्ट्रीय गान ("जन गण मन") और बांग्लादेश ("आमार सोनार बांग्ला") के लेखक थे।
- उनके प्रभाव ने श्रीलंका के राष्ट्रगान को भी प्रेरित किया।
- उन्होंने 2,230 से अधिक गीतों की रचना की, जिन्हें रवीन्द्र संगीत के नाम से जाना जाता है और हजारों पेंटिंग बनाईं।

पुरस्कार और सम्मान:

- टैगोर 1913 में साहित्य में नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय थे, मुख्य रूप से उनकी कृति "गीतांजलि" के लिए।
- उन्हें ब्रिटिश क्राउन द्वारा 1915 में नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया गया था, लेकिन 1919 में जलियांवाला बाग नरसंहार के विरोध में उन्होंने इसे त्याग दिया।

नैतिक मूल्य: बौद्धिक स्वतंत्रता, आध्यात्मिक सद्भाव, सांस्कृतिक अखंडता, आदि।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

कोलंबिया

हाल ही में, कोलंबिया के एल कोक्यू नेशनल नेचुरल पार्क में एक पर्यटक को रिटाकुबा ब्लैंको ग्लेशियर मिला, जो आमतौर पर एक समान बर्फ से ढका हुआ था, जिसमें एल नीनो घटना के कारण गंभीर पिघलने के परिणामस्वरूप विशाल दरारें दिखाई दे रही थीं।

कोलंबिया (राजधानी: बोगोटा)

अवस्थिति: कोलंबिया दक्षिण अमेरिका के उत्तरी भाग में स्थित एक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: कोलंबिया की सीमाएँ वेनेज़ुएला (पूर्व और उत्तर-पूर्व), प्रशांत महासागर (पश्चिम), कैरेबियन सागर (उत्तर), पनामा (उत्तर-पश्चिम), इक्वाडोर और पेरू (दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम) और ब्राज़ील (दक्षिण-पूर्व) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- कोलंबिया का सबसे ऊँचा स्थान पिको क्रिस्टोबल कोलन है, जो सिएरा नेवादा डे सांता मार्टा पर्वत श्रृंखला का एक हिस्सा है, जो देश के उत्तरी भाग में कैरेबियन तट के पास स्थित है।
- कोलंबिया विभिन्न नदियों और झीलों का केंद्र है, जिनमें मैग्डेलेना नदी, काका नदी और कोलंबिया की सबसे बड़ी झील टोटा झील शामिल हैं।
- कोलंबिया में कोयला, सोना, पन्ना, निकल, तांबा, लौह अयस्क, चांदी और प्लैटिनम जैसे समृद्ध खनिज हैं।

POINTS TO PONDER

- किस अंतरिक्ष एजेंसी ने हाल ही में SCE-200 सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के लिए पहले प्री-बर्नर इग्निशन परीक्षण का आयोजन करके एक मील का पत्थर हासिल किया? – **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)**
- किस संगठन ने हाल ही में वर्ष 2024 के लिए विश्व प्रवासन रिपोर्ट प्रकाशित की? – **अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM)**
- केरल में फैला वेस्ट नाइल बुखार के मामलों के लिए कौन सा वायरस जिम्मेदार है, जो फ्लेविविरस जीनस से संबंधित है और पहली बार 1937 में युगांडा में पृथक किया गया था? – **वेस्ट नाइल वायरस (WNV)**
- किस भारतीय स्वतंत्रता सेनानी को, अन्य के साथ, 18 सितंबर 1942 को धेकियाजुली के एक पुलिस स्टेशन पर तिरंगा फहराने का प्रयास करते समय अंग्रेजों द्वारा गोली मार दी गई थी? – **टिलश्वरी कोच**
- भारत सरकार का कौन सा सरकारी संगठन, जिसकी स्थापना 1960 में रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत की गई थी, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव के लिए ज़िम्मेदार है? – **सीमा सड़क संगठन (BRO)**